

//-- सुविवार --//

समय बहाकर ले जाता है नाम और निशां कोई ‘हम’ में रह जाता है तो कोई ‘अहम’ में।

आज

बेबाक

चुनाव आयोग आखिर इतना पंगु क्यों बन गया है? उसकी नाक के नीचे उसके निर्देशों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही है और वह मूक दर्शक बनकर तमाशा देख रहा है। कोरोना के कहर को मद्देनजर रखकर चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की रैलियों में एक हजार लोगों की अनुमति दी है लेकिन उत्तर प्रदेश में हो रही रैलियों में हजारों का हुजुम उमड़ रहा है। रोड शो के जरिए जमकर शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। कोरोना गाइड लाइन के परखच्चे उड़ाए जा रहे हैं लेकिन चुनाव आयोग ने चुप्पी साध रखी है।

सूर्योदय

उदय : 6:31 प्रातः

अस्त : 5:29 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,924,891,770

भारत: 1,402,019,410

बाजार

संसेक्स : 58644.82

निफ्टी: 17516.30

गोल्ड : 49,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 61,000 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 4.73 प्रति नग

आज का दिवस

सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिला बनी भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली महिला बनी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के माध्यम से अंतरिक्ष जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला है। यह भारत के गुजरात के अहमदाबाद से ताल्लुक रखती है। इन्होंने एक महिला अंतरिक्ष यात्री के रूप में 195 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने का विश्व किर्तिमान स्थापित किया है। उनके पिता दीपक पाण्ड्या अमेरिका में एक डॉक्टर हैं। सुनीता लिन पांड्या विलियम्स का जन्म 19 सितम्बर 1965 को अमेरिका के ओहियो राज्य में सुप्रील नगर (स्थित वलीवेलैंड) में हुआ था।

नेहरू और इंदिरा के दौर में चीन-पाक ने कब्जाई जमीन : राजनाथ सिंह

इ राहुल गांधी को इतिहास की समझ नहीं : राजनाथ

नई दिल्ली। चीन-पाकिस्तान के संबंधों पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर तीखा हमला करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर जमकर बरसे और कहा कि नेहरू और इंदिरा सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र पर दो बड़े अवैध कब्जे हुए थे। बता दें कि राजनाथ सिंह 4 फरवरी को होशियारपुर जिले के दसूया में भाजपा उम्मीदवार रघुनाथ सिंह राणा के लिए प्रचार करने पंजाब पहुंचे।

गरमा-गरम



पंजाब CM

CM चनी का भांजा हनी 8 फरवरी तक रिमांड पर

दैनिक

आदिवासी तमसः परमार्थ

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नवप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर 3 | आंचलिक 4 | अभिव्यक्ति 5 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.MPHIN/2017/72749 भोपाल, शनिवार 5 फरवरी 2022, शुक्ल पक्ष चतुर्थी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-05 अंक-270 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

परीक्षाओं का बैकलॉग खत्म करें : राज्यपाल पटेल

राजभवन में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कार्यों की हुई समीक्षा

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालय परीक्षाओं का बैकलॉग शीघ्र खत्म करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन और परीक्षा परिणामों में विलंब छात्र सहित पूरे परिवार को प्रभावित करता है। छात्रहित में परीक्षाओं का संचालन समय पर होना अत्यंत आवश्यक है। पटेल मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल



पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं का संचालन और परिणामों की समयानुसार घोषणा समाज में विश्वविद्यालय की छवि का निर्धारण करती है। विश्वविद्यालय के प्रति सकारात्मक वातावरण बनता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा बैकलॉग पूर्ति के साथ ही आगामी परीक्षाओं और उनके परिणामों की समय पर घोषणा हो। इसकी समुचित तैयारियाँ अभी से की जाएँ। अपर मुख्य

सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रबंधन को और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रभावी प्रयास किए गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा लॉन्च 23 परीक्षा में से 16 परीक्षाओं के परिणाम केंद्रीयकृत ऑफलाइन मूल्यांकन करा कर जारी कर दिए गए हैं। वर्तमान में 14 परीक्षाएँ प्रक्रियाधीन हैं। इनका मूल्यांकन मैनुअली करा कर रिजल्ट घोषित किया

जाएगा। उन्होंने आश्वासित किया कि परीक्षा बैकलॉग समाप्त कर विश्वविद्यालय की व्यवस्थाएँ तेजी से सुचारु बनाई जा रही हैं। कुलपति बी. चंद्रशेखर ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा लॉन्च सभी अंक सूचियाँ फरवरी माह में जारी कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन की व्यवस्था को बंद कर सीधे स्थाई डिग्री प्रमाण-पत्र दिए शेष पृष्ठ 7 पर

एमएसपी पर विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाएगी कमेटी

कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने राज्यसभा में बताया

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कमेटी बनाने की घोषणा की है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद एमएसपी पर एक समिति की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह घोषणा की। तोमर ने कहा कि सरकार ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एमएसपी पर समिति की घोषणा के संबंध में चुनाव आयोग को लिखा था। मंत्री

पीएम मोदी ने की थी एमएसपी पर कमेटी बनाने की घोषणा



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा था कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी के लिए किसानों की मांग पर चर्चा करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। तोमर ने कहा, पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री ने फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और एमएसपी को प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए समिति के गठन की घोषणा की है। सरकार पीएम द्वारा की गई घोषणा के लिए प्रतिबद्ध है। मामला मंत्रालय के विचारधीन है और समिति की घोषणा विधानसभा चुनाव के बाद की जाएगी।

10 मार्च को आरंगे विस चुनावों के नतीजे

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए सात चरणों में... 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होगा। पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में एक ही दिन 14 फरवरी को वोटिंग होगी। मणिपुर में 27 फरवरी और 3 मार्च को दो चरणों में चुनाव होंगे। उत्तराखंड की 70 सीटों, उत्तर प्रदेश की 403 सीटों, पंजाब की 117, मणिपुर की 60 और गोवा की 40 सीटों पर वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

चीन के साथ खड़ा हुआ रूस तो भारत के समर्थन में खुलकर आया अमेरिका

नई दिल्ली। चीनी कमांडर को टॉच बियर बनाए जाने पर अमेरिका ने जताई आपत्तिविदेश मंत्रालय ने कहा- भारत के साथ खड़े हैंकई अमेरिकी सांसद भी कर चुके हैं चीन के इस कदम की आलोचना

जब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने चीन में आयोजित विंटर ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करने का फैसला किया था, तब पश्चिम के देश भारत की ओर देख रहे थे कि उसका रुख क्या होगा। पश्चिम को उम्मीद थी कि जिस तरह से चीन सरहद पर भारत के खिलाफ आक्रामक है, वैसे में भारत भी बहिष्कार करेगा। लेकिन भारत ने पिछले साल

आरआईसी (रूस, इंडिया, चीन) के विदेश मंत्रियों की बैठक में विंटर ओलंपिक को समर्थन देकर सबको चौंका दिया था। अब जब चीन ने विंटर ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के साथ झड़प में जखमी चीनी सैनिक को मशालवाहक बनाया तो भारत को अपना फैसला बदलना पड़ा और उसने भी राजनयिक बहिष्कार की घोषणा कर दी। अब अमेरिका ने भारत के इस फैसले का स्वागत किया है। भारत ने जब विंटर ओलंपिक का समर्थन किया था तो कहा गया कि ऐसा रूस के दबाव में किया था।

अगस्त में लॉन्च होगा चंद्रयान-3, नहीं होगी विक्रम लैंडर वाली गलती!

नई दिल्ली (ए.)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान के कैबिनेट मिनिस्टर (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 की विफलता से काफी कुछ सीखा है। नेशनल लेवल के एक्सपर्ट्स की सलाहों को मानकर चंद्रयान-3 पर काम किया जा रहा है। इसमें चंद्रयान-2 वाली गलतियां नहीं होंगी। कई तरह के हार्डवेयर की सफल टेस्टिंग हो चुकी है। इसकी लॉन्चिंग अगस्त महीने में तय है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि



इस साल जनवरी से दिसंबर तक 19 लॉन्चिंग की तैयारी है। 8 लॉन्च व्हीकल मिशन, 7 स्पेसक्राफ्ट मिशन और 4

टेक्नोलॉजी डेमोन्स्ट्रेशन मिशन शामिल हैं। कई मिशन कोविड-19 महामारी की वजह से लेट हुए हैं। लेकिन शेष पृष्ठ 7 पर

संवाद... पक्के मकान के साथ स्वच्छता, बिजली, राशन, शिक्षा और उपचार सरकार की प्राथमिकता

गाँव की सूरत बदलने का करना है काम : सीएम चौहान

कच्चे मकानों की जगह बनाये जायेंगे पक्के मकान

स्कूल और आँगनवाड़ियों में भी पहुँचाया जा रहा है नल से जल

युवाओं के लिये सरकार चला रही है स्व-रोजगार अभियान

आवास प्लस योजना का सर्वे कर नये हितग्राही जोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार गाँव की सूरत बदलने का काम कर रही हैं। गाँव में पेयजल की सहज उपलब्धता के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन की सौगात दी है, जो



हर घर पहुँचेगा नल से जल

विशेषकर ग्रामीण महिलाओं के लिये समूह पेयजल योजना बनाकर युद्ध-स्तर वरदान साबित हो रही है। मिशन से प्रदेश के सभी ग्रामीण अंचलों में एकल और

समूह पेयजल योजना बनाकर युद्ध-स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मिशन से अब तक 4

हजार से अधिक ग्रामों के सौ फीसदी घरों में नल से जल की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। इन्हें मिलाकर अब तक मिशन से प्रदेश के 46 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल उपलब्ध हो गया है। साथ ही जल की शुद्धता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री चौहान आज जल जीवन मिशन से प्रदेश के लाभान्वित ग्रामों के रहवासियों से वचुअल संवाद कर रहे थे। कुशाभाऊ ठककर हॉल भोपाल में हुए इस संवाद में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मलय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद, विधायक, जन-प्रतिनिधि, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य और मिशन से लाभान्वित ग्रामीण महिलाएँ

वचुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था को सुधारने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। आवासहीन परिवारों को आवास सुविधा और अब गाँव-गाँव, घर-घर पेयजल की व्यवस्था जल जीवन मिशन से की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में गाँव में बिजली, पानी, शिक्षा, राशन, उपचार, स्व-रोजगार के साथ स्वच्छता भी है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली इन सुविधाओं को हम जन-भागीदारी से संचालित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने ग्रामीणों से पानी और बिजली के अपव्यय को रोकने की अपील भी की। शेष पृष्ठ 7 पर

अंबानी से आगे निकले अडानी, बन गए एशिया के सबसे बड़े धनकुबेर

नई दिल्ली। दुनिया भर के शेयर बाजारों में जारी गिरावट का शीर्ष अरबपतियों की दौलत पर बड़ा असर हुआ है। इससे अरबपतियों की रैंकिंग में भी बदलाव आ गया है। इस हलचल के बीच अडानी समूह के गौतम अडानी अब एशिया के सबसे बड़े धनकुबेर बन गए हैं। वह पहले भी मुकेश अंबानी को पछाड़ने के करीब पहुंचे हैं, लेकिन कभी आगे नहीं निकल पाए। अब गौतम अडानी दुनिया के 10 सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बन गए हैं। Forbes की रियल टाइम लिस्ट के अनुसार, गौतम अडानी एंड फैमिली अभी 90 बिलियन डॉलर की दौलत के साथ 10वें पायदान पर हैं।

संपादकीय

चुनाव की लाचारी

उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू की है इसके साथ ही कोरोना के बढ़ते खतरे को ध्यान में रखते हुए कोरोना गाइड लाइन भी जारी की है। जिसका पालन करने में विभिन्न राजनीतिक पार्टियां भारी कोताही कर रही है। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है और नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग अब जहरीली होने लगी है। असुददीन ओबैसी जिस तरह की भड़काऊ बयानबाजी कर रहे हैं। उसी का दुष्परिणाम है कि उनके काफिले पर गोली चलाई जाने की घटना हुई। हिंसा का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है जिन युवकों ने औवैसी के वाहन पर गोलीबारी की है उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए लेकिन इससे उन नेताओं को सबक भी लेना चाहिए जो अपनी जुबान से आग उगलते है। ऐसे भड़काऊ और विवादास्पद बयान देना आचार संहिता का उल्लंघन है और इसके लिए चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानवीर नेताओं के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि चुनाव के दौरान नफरत का माहौल न बने। इसी तरह कोरोना गाइड लाइन का भी कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने रैली और सभाओं में अब एक हजार लोगों के मंजूरी दे दी है लेकिन राजनीतिक रैलियों में हजारों की भीड़ उमड़ रही है। इसमें से ज्यादातर लोग मास्क लगाना भी जरूरी नहीं समझते सोशल डिस्टेंसिंग का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। उत्तर प्रदेश में तो अब रोड शो की संघर्षा चल पड़ी है जिसमें हजारों की भीड़ शामिल होती है। इस शक्ति प्रदर्शन से राजनीतिक दलों को कितना चुनावी फायदा मिल पाएगा यह तो पता नहीं लेकिन इससे कोरोना के फैलने का खतरा जरूर पैदा होगा। चुनाव आयोग की लाचारी वाकई समझ से परे है। सिर्फ दिशा निर्देश जारी करके चुनाव आयोग अपने कर्त्तव्य की इतिश्री मान लेता है। जबकि उसे चाहिए कि अपने निर्देशों का सक्ति से पालन कराए। खास तौर पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले नेताओं के खिलाफ तो कड़े कदम उठाना निहायत जरूरी है ताकि चुनाव के दौरान सामाजिक समरस्ता बनी रहे और नफरत का माहौल न बने। चुनाव आयोग कड़ाई बरेंगेगा तभी उत्तर प्रदेश व अन्य चार राज्यों में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो पाएंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग मतदान के दौरान किसी भी तरह की अप्रीय घटनाओं को रोकने के लिए कारगर पहल करेगा और जो राजनीतिक पार्टियां आचार संहिता और कोरोना गाइड लाइन को ठेंगा दिखाने का दुषाहस कर रही है उनके खिलाफ कड़े कदम उठाने में नहीं हिचकिचाएगा।

विचार

राजनीति का स्वर्णिम दौर कैसे वापिस आएगा !

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज की राजनीति बहुत प्रतिस्पर्धात्मक हो चली है जहां मूल्यों का महत्व हाशिए पर चला गया है। लेकिन कभी-कभी ये देखकर सुखद आश्चर्य होता है कि जब राजनीतिक विरोधियों को एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है, दुश्मन के तौर पर नहीं। बीते दिनों

एक समाचार खूब प्रसारित हुआ। समाचार यह था कि केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने संसद भवन की सीढ़ियों से उतरते वरिष्ठ समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव के पैर छुए। स्मृति ईरानी के पास ही खड़े दूसरे केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अहमद नकवी ने भी मुलायम सिंह को सीढ़ियां उतरने में मदद की। संसद में विरोधी विचारधाराओं के सदस्यगण आपस में मिला करते हैं। केन्द्रीय कक्ष में तो कॉफ़ी हाउस सरीखा माहौल होता है। निजी तौर पर सांसदों के आपसी सम्बन्ध भी होते हैं। लेकिन उ.प्र. में विधानसभा चुनाव चक्की चल रहे हैं इसलिए श्रीमती ईरानी द्वारा श्री यादव के चरण स्पर्श करना समाचार बन गया जिसके साथ में ये भी जोड़ा गया कि अमेठी सांसद ने उ.प्र. के यादवों को भाजपा के पक्ष में र्खिने का दांव चला है। पूर्व के भारतीय राजनीतिज्ञों ने विरोधी राजनेताओं के प्रति बेहतरीन आचरण और शालीनता के उदाहरण पेश किए हैं। 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार लोकसभा में चुनकर आए तो जवाहरलाल नेहरू उनके भाषणों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने भविष्यवाणी की कि एक दिन ये युवा सांसद भारत का नेतृत्व करेगा। कहते हैं 1984 के चुनाव प्रचार के दौरान जादवपुर से मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार सोमनाथ चटर्जी के पैर छूकर एक महिला ने उनसे आशीर्वाद मांगा। बाद में सोमनाथ चटर्जी ये सुनकर हतप्रभ रह गए कि ये महिला और कोई नहीं, उस सीट से उनकी प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी थीं, जो अंततः इस सीट पर विजयी हुईं। 1984 के लोकसभा चुनाव में अटलबिहारी वाजपेयी चुनाव हार गए थे। उन्हें अपने इलाज के लिए अमेरिका जाना था, जहां इलाज कराना अब की तरह पहले भी बहुत महंगा हुआ करता था। राजीव गांधी ने उन्हें अपना कंधा भेजा। कुछ समय पहले दिव्खे में एक राजनीतिक घटना के वहां विवाह में मुलायम सिंह और रावसंघ के सरसंघ चालक ड. मोहन भागवत का एक साथ बैठे हुए चित्र प्रकाशित हुआ तो उसे भी यूपी चुनाव से जोड़कर देखा जाने लगा। इस तरह की खबरों से ये पता लगता है कि हमारे देश में निजी जीवन पर भी राजनीति किस हद तक हावी हो चुकी है। कल ही जिस स्थान पर श्री यादव और श्रीमती ईरानी के बीच सम्मान और सौजन्यता का आदान-प्रदान हुआ उन्होंने सीढ़ियों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और स्मृति भी पास आये लेकिन उनके बीच बातचीत नहीं हुई।

पाठकों की बात

सियासत खेल है ऐसा जहां न आंख में

सियासत खेल है ऐसा जहां न आंख में पानी। शराफत बेच कर आते हैं यहाँ ज्ञानी महाज्ञानी। छुपा रखा है नियत को शराफत के कि लम फाँस में। पाए तो देश खा जाये, इन्हें करनी है बेईमानी।।

आकांक्षा द्विवेदी

परिश्रम के मार्ग पर बाधाओं का आना

परिश्रम के मार्ग पर बाधाओं का आना स्वाभाविक होता है, यह पगबाधाएं इस बात की सूचक हैं कि हम सही मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। हमें इन अड़चनों से कभी व्यथित नहीं होना चाहिए, जो व्यक्ति बाधाओं से निरंतर संघर्ष करता हुआ आगे बढ़ता है वह ही सफलता को प्राप्त करता है।

सुनिल शुक्ला

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खास प्ताी: चाँदनी निखरती चाँद से सितारे

चाँदनी निखरती चाँद से, सितारे तो बस पहरा करते है वज्रू चाँदनी का चाँद से, बादल वेवजह मचला करते है। कर रही क्रीडायें मस्त हवायें चाँद की बहकती चाँदनी में पात वृक्ष के गिर गिर कर शयन का तैयार बिछना करते है।

बैठ कर हम धवल शरद चाँदनी कुछ हास करे परिहास करे गुफ्तगू कर एक दूजे से मिलन प्यार भरी अभिलाष करे चपल चन्द्र की चंचला रश्मिया खेले जब थिरक जल थल में ऐसे में आओ प्रियतम, अन्तस अपने प्रेम का उजास करे।
डा. मधु त्रिवेदी

हे समर्थक तुम दुखित मत हो

हे समर्थक तुम दुखित मत हो... जो नेता आज तुम्हारा है कल किसी और का था परसों किसी और का होगा ये राजनीति का कुचक्र ऐसे ही चलता रहेगा तुम इन सब बातों पर अपना समय नष्ट मत करो तुम मूर्ख बनने के लिए ही समर्थक बने हो वही बनते रहे!
कुमार संतोष

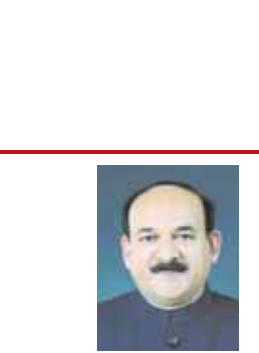
जब छोटी थी तो लगता था जिंदगी

जब छोटी थी तो लगता था जिंदगी में सबसे बड़ी चीज प्रतिभा होती है...इसके द्वारा हम सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं 12th तक आते-आते विचार थोड़े बदले प्रतिभा और पैसे का संयोग 50-50 होना चाहिए नहीं तो प्रतिभा हारने लगती है ? 30 के बाद अहसास हुआ कुछ हासिल करने के लिए प्रतिभा और पैसे के साथ जुन्ने का भी संयोजन हो तो कोई बात बनें और अब लगता है जी जिंदगी का नाम जुगाड़.कॉम रख दूँ जुगाड़ ही राम है जुगाड़ ही रहीम है जुगाड़ ही करीम-कृष्ण खुदा हुआ तो सब एक बार प्रेम से बोलो जुगाड़ मैया कि ? तनु भारद्वाज विदेह



जी. अशोक कुमार महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

शहरी आर्द्रभूमि के प्रबंधन के लिए ‘शहरी आर्द्रभूमि/जल निकाय प्रबंधन दिशा-निर्देश’ नामक एक टूल किट भी एसपीए, नई दिल्ली द्वारा तैयार किया गया है।
विक्ट्रीक्यूत जल मंडारण प्रणालियों के रूप में कार्य करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने में छोटे वेटलैंड्स की भूमिका को देखते हुए, एनएमसीजी ने डब्लूडब्ल्यूएफके सहयोग से जिला स्तर की संस्थाओं को आर्द्रभूमि पहचान करने, वस्तुसूची बनाने, जमीनी सत्यापन करने और उनके संरक्षण के लिए कार्य योजना विकसित करने में सहयोग करने के लिए जिला गंगा समितियों के साथ एक कार्यक्रम शुरू किया है। आर्द्रभूमि की सुरक्षा और संरक्षण एनएमसीजी की प्राथमिकताओं में से एक है, जो आर्द्रभूमि संरक्षण को बेसिन स्तर पर लाने का प्रयास कर रहा है।



विजय मिश्रा ‘अमित’

पूर्व अति महाप्रबंधक (जन.) छग पावर कंपनी

रंगमर्त्य लेली की घोषणा- यह दिवस रंगो का गलापर लेली के आगदाल का सूचक भी होता है।इस दिन लेलिका दलन स्थल की सफाई करे अट्ठी के पेड़ की ज्माल को वन गाड़ दिया जाता है।लेली हेतु एकत्रित लकड़ी,कड़े को वन सगाने का कार्य आरंभ किया जाता है।नलाउं की पून के साथ फावा गाने की रूढ़ मरनेे लाती है।
मालव विभूतियों के महाव्य कार्य:-
बसंत पंचमी का दिवस व केवल पौराणिक जातिगत दृष्टि से अप्रिु इतिहास।और साहित्य जगत की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण दिवस है। इस दिन ही भोवनी शक्ती के घर पकड़े भावनाएं भोवना ने उसके गाना गये जुते के सपने पे।हस्ती दिल सगानाओ की अजरी जगाई जाती है।इतिवस ने लेली भी गानाया है कि सूर्योद महत्सरा पृथ्वीराज चौहान ने बुद्धिजन बाटाला भोजनकर गौरी को अट्ठोटी का पलायक बरान पटनी के दिन ही गार दिया था।
हस्ती साहित्य की अनेक विभूति महापुरुष बुद्धिमान विपरीत किलाल का जन्म बसंत पंचमी के दिन हुआ।
कलकत्ती सरस्वती देवता हट्टे जी।आदिदेवि हट्टे ने स्वर्गिय किलाल जी निधनी के लिएअनेक धन धान्य,पुत्र आदि खुले दिल से दान कर दते थे।

अभिव्यक्ति

आर्द्रभूमि का संरक्षण, गंगा का कायाकल्प

एक संवेदनशील क्षेत्र के तौर पर वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) ऐसे अनोखे इकोसिस्टम हैं जहां जमीनी और जलीय प्राकृतिक वास आपस में मिलते हैं। ये झीलों, नदियों से इतर पानी से सराबोर रहने वाले क्षेत्र होते हैं। ये न तो पूरी तरह से शुष्क भूमि होती है और न ही पूरी तरह से पानी में डूबी होती है। इसमें दोनों विशेषताएं मौजूद होती हैं। रामसर कन्वेंशन के तहत आर्द्रभूमि को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार ‘दलदल भूमि, पानी भरा रहने वाला मैदान, पिट (नमी वाला कोयला या अन्य) और पानी चाहे वह प्राकृतिक हो या कृत्रिम, स्थायी हो या अस्थायी, पानी रुका हो या बह रहा हो, ताजा, खारा या नमकीन, समुद्री जल क्षेत्र, जो कम ज्वार पर छह मीटर से अधिक गहरे न हो- आदि को आर्द्रभूमि कहते हैं’। आर्द्रभूमि एक प्रकार से प्राकृतिक अपशिष्ट जल शोधन वाले स्थान हैं क्योंकि वे प्रदूषकों को रोकने के साथ हानिकारक जीवाणुओं को बेअसर करने में सक्षम होते हैं। कार्बन सोखने की क्षमताओं के कारण, आर्द्रभूमि जलवायु परिवर्तन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आर्द्रभूमि भोजन का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं जहां चावल और मछली होती है जिससे अरबों लोगों का पेट भरता है।

आर्द्रभूमि के नष्ट होने और इसे बेकार भू-भाग समझकर सुखाने, भरने और दूसरे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने के विचार को देखते हुए, 2 फरवरी को हर साल ‘विश्व आर्द्रभूमि दिवस’ मनाया जाता है। इसका मकसद पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में इन महत्वपूर्ण जल क्षेत्रों की भूमिका के बारे में दुनियाभर में जागरूकता फैलाना है। इसी दिन 2 फरवरी 1971 में ईरान के रामसर शहर में ‘वेटलैंड्स कन्वेंशन’ आयोजित हुआ था। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2022 का विषय ‘लोगों और प्रकृति के लिए आर्द्रभूमि संरक्षण की कार्रवाई’ है, जिससे मानवीय उद्देश्यों के लिए आर्द्रभूमि के संरक्षण और सतत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले कार्यों के महत्व पर जोर

दिया जा सके। भूजल के स्तर को बढ़ाने के अलावा, आर्द्रभूमि विशाल स्पंज (जलशोषक) या जलाशयों की तरह भी काम करती है जो भारी बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी को अवशोषित कर लेती है। यहां बहुत ही समृद्ध जलीय जैव-विविधता पाई जाती है और ये महत्वपूर्ण पोषक तत्व परिवर्तक के रूप में कार्य करते हैं। आर्द्रभूमि पक्षियों की कई प्रजातियों के प्रजनन के लिए उचित वातावरण प्रदान करती है। आर्द्रभूमि



में पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं और हॉटिंग, लंबी पैदल यात्रा, मछली पकड़ने, पक्षियों को देखना और फोटोग्राफी जैसे कई लोकप्रिय मनोरंजक गतिविधियां भी यहां की जा सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) एक सार्वभौमिक एजेंडा सामने रखता है, जिसमें पानी की कमी को दूर करने के लिए आर्द्रभूमि सहित पानी के अन्य पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन और उसके पुनरोद्धार की जरूरत पर जोर दिया गया है। इस तरह, आर्द्रभूमि दुनियाभर में पानी, भोजन और जलवायु से संबंधित कई चुनौतियों का समाधान करने के लिएहज्र से काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

नदी के कायाकल्प में आर्द्रभूमि का संरक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नदियों की पारिस्थितिक और भूगर्भीय चीजों के संरक्षण में मदद करता है। नदियों में प्राकृतिक बहाव को बनाए रखने में आर्द्रभूमि

का योगदान नदियों, विशेष रूप से गंगा को बचाने में इन जल क्षेत्रों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। भारत में लगभग 4.6 प्रतिशत भूमि आर्द्रभूमि के रूप में है, जो 15.26 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। भारत में ऐसी 47 जगहें हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि (रामसर साइट्स) के रूप में मान्यता मिली हुई है, जिसके सतह का क्षेत्रफल 1.08 मिलियन हेक्टेयर से अधिक गंगा बेसिन में स्थित है (हिमाचल प्रदेश में एक, उत्तराखंड में सात, हरियाणा में दो, राजस्थान में चार, मध्य प्रदेश में नौ, उत्तर प्रदेश में 16, बिहार में तीन और पश्चिम बंगाल में सात)। साल 2020 में, भारत में घोषित कुल 14 स्थलों में से 9 रामसर स्थलों को गंगा के मुख्य प्रवाह पथ- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में घोषित किया गया है। सुर सागर कीटम, काबर ताल और आसन इसके कुछ उदाहरण हैं। आर्द्रभूमि की सूची में नया नाम भी उत्तर प्रदेश के गंगा बेसिन- हैदरपुर वेटलैंड का है, जिसे दिसंबर 2021 में मान्यता मिली। 2021 और 2022 में शामिल किए गए अन्य वेटलैंड्स में त्सो कर आर्द्रभूमि क्षेत्र, लद्दाख, लोनार झील, महाराष्ट्र, थोल झील वन्यजीव अभयारण्य और वाधवाना वेटलैंड (गुजरात) और हरियाणा में सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान व भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं। सुंदरबन खारे पानी का दलदली क्षेत्र है जो भारत और बांग्लादेश के भूभाग में फैला हुआ है। यह दुनिया में सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है और पश्चिम बंगाल में गंगा नदी के डेल्टा के पास बहकर आई मिट्टी पर स्थित है। पर्यावरण मंत्रालय के साथ मिलकर काम करते हुए, गंगा बेसिन में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों को मजबूत किया जा रहा है और अन्य राज्यों को आर्द्रभूमि को मान्यता देने व रामसर स्थलों के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। नमामि गंगे कार्यक्रम विश्व वन्य कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण आदि जैसे कई साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है जिससे आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए एक संस्थागत संरचना तैयार का जा सके। 27 जिलों में गंगा नदी के 10 किमी के बप्प क्षेत्र के भीतर राज्य में 282 गंगा के बाढ़ वाले वेटलैंड्स के व्यापक संरक्षण और प्रबंधन के लिए जून 2020 में ‘उत्तर प्रदेश में गंगा के बाढ़ के मैदानों का संरक्षण और सतत प्रबंधन’ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

वाद्य-कलम-किताबों की पूजा का पर्व

संपूर्ण सृष्टि में ऋतु परिवर्तन प्रकृति का नियम है। इस नियम केअंतर्गत भारवर्ष में दो दो मास के क्रम में ऋऋतुएंआती है। जिसमें बसंत ऋतु को सर्वश्रेष्ठ ऋतु कहा गया है।यह ऋतु हरेक जीवधारी के लिए चाहे वह पेड़-पौधे,पशु-पक्षी,अथवा मानव समुदाय का हो सभी के लिए हर दृष्टि से हितकारी है।गीता में इसलिए भगवान श्री कृष्ण ने कहा है किऋतुओं में श्रेष्ठ में बसंत हूं। बसंत ऋतु के माघ महीने के शुक्ल पक्ष के पांचवे दिन को बसंत पंचमी पर्व के रूप में मनाया जाता है।यहयह एक ऐसा पर्व है जो कि चहुँ ओर नव उमंग -उत्साह- उल्लास की ध्वनि को गुञ्जित करता है।इस पर्व को नवजागृति पर्व भी कहा जाता है।

बंसंत पंचमी पर्व मनाने की पौराणिक कथा : पौराणिक कथाओं के अनुसार सृष्टि की रचना ब्रह्मा जी ने की है।उन्होंने सृष्टि की संरचना करते समय विविध जीव-जंतु,कीट-पतंगे, पशु- पक्षी के साथ-साथ पेड़-पौधों की भी रचना की।इन सभी रचनाओं के बाद भी उन्हें सृष्टि में जीवंत सौंदर्य बोध के कलरव की कमी खटक रही थी। सृष्टि में छाप मौन,स्तब्धता समाटा को तोड़ने के लिए उन्होंने अपने कमंडल सेअपनीअंजुरी में जल लेकर वायुमंडल में उसे छिड़क दिया।जिससे चार भुजाओं वाली मनोहारी देवी प्रकट हुईं।जिनके हाथों में वीणा,पुस्तक,मालाऔर वर मुद्राएं सुशोभित हो रही थी। नवअवतरित देवी जी से ब्रम्हा जी ने वीणावादन का आग्रह किया।जिसे स्वीकार करते हुए देवी जी ने जब वीणा का मधुर नाद किया तो सृष्टि में कम्पन,कोलाहल, जलधाराओं में कलकल, हवाओं में सरसराहट की गूंज सुनाई दी।सभी सजीव-निर्जीव चीजों में खर-नाद-वाणी की उत्पत्ति हो गई।जिसे देखकर सुनकर ब्रम्हा जी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया।सरस्वती देवी का अवतरण बसंत ऋु के माघ माह के

शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही हुआ, अतः इस दिवस को विद्या देवी की जयंती के रूप में मनाने की प्रथाआरंभ हुई।इस तिथी को बसंत पंचमी,ऋषि पंचमी, मदनोत्सव,वागीश्वरी जयंती के



नाम से ख्याति मिली।

सरस्वती वाहन हंस की खूबियां : बंसंत पंचमी को अवतरित, श्वेत वस्त्रधारी विद्यादेवी हंस पक्षी पर विराजमान होती हैं।उनका वाहन भीअतिविशिष्ट गुणों से भरपूर है।यहअकेला ऐसा जीव है जो नभ में उड़ सकता है।।जल में तैर सकता है।और थल में विचरण कर सकता है।ऐसी भी मान्यता है कि दूध का दूध ,पानी का पानी करने अर्थात नीर-क्षीर निर्णय की क्षमता हंस में होती है।

बंसंत पंचमी अर्थात अबुझ मुहूर्त : अतीव पवित्र दिवस बसंत पंचमी को कोई भी कार्यआरंभ करने के लिए सर्वश्रेष्ठ दिवस माना गया है। ज्योतिष विद्यानुसार इस दिवस मूला मुहूर्त होता है।अर्थात इस दिवस में कोई भी शुभ कार्य आरंभ कर सकते हैं।ऐसी मान्यता के कारण ही इस दिवस पर विवाह, गृह-प्रवेश,वाहन क्रय,कन्याओं का नाक कान छेदन, शिशुओं का शिक्षारंभ, बच्चों काअन्न प्राशन जैसे मानव जीवन

के अतिमहत्वपूर्ण मांगलिक कार्यों का निष्पादन सहर्ष किया जाता है।निर्धन छात्र छात्राओं को कॉपी किताब कलम दान देने की भी प्रथा इस दिवस में है।

वाद्यों-किताबों-कलम की पूजा : बंसंत पंचमी के दिन कलाकार अपने वाद्ययंत्रों, साहित्यकार अपनी कलम और किताबों की पूजा अर्चना ठीक उसी तरह करते हैं।जिस तरह दीपोत्सव में ब्यवसायीअपने बही खाता तिजोरी की पूजा करते है।यह सर्वविदित है की कलाकारों के द्वारा प्रयुक्त समस्त वाद्य निर्जीव होते हैं। वे बेजान वस्तुओं जैसे कि सूखी लकड़ी,लोहदार, मिट्टी,मृत्तजीवों की चमड़ी आदि से ही निर्मित होते हैं।इन सबको जब कलाकार बजाते हैं तो उन वाद्यों से उत्पन्न ध्वनि (लय बाल) जीवित जनमन को मोहित कर लेते हैं।संगीत की देवी सरस्वती की ओर से बेजान वाद्यों सहित प्रबुद्ध कलाकारों को मिलाअद्भुत दानदान होता है।

पीले वस्त्र- खाद्यान्नों की पूछ परख : सावन मास का नाम लेते ही जैसे हरियाली की छटा मन में छ जाती है।इसी तरह बसंत में संपूर्ण प्रकृति बसंती रंगों से सराबोर दृष्ट्य्व होती है।बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र धारण कर विद्या की पूजाअर्चना उपरांत पीले खाद्य पदार्थों का सेवन श्रेयस्कर माना गया है।ऐसी मान्यता है कि पीले वस्त्र तन मन को सरस बनाकर आनंद उल्लास का संचार करते हैं।इस मौसम में पीले फूलों से लबरेज सरसों,समई, सूरजमुखी,गेंडा तथाअरहर दलहन के पौधे खेतों में लललहाते है।गेहूँ,चना,और जौ के पके दानों की महक प्रकृति में गमक उठती है। तितली,धंकरे,मधुमक्खियां गुनगुनाते हुए फूलों के मकरंद का सपान करने कोआतुर होती है।नए वस्त्रों को धारण करने की चाहत लिए पेड़-पौधे भीअपने पुराने पीले हो चले पत्तों को त्याग देते हैं,जिसके बाद पौधों में पल्लवित विविध रंगों की कोपलों से पौधों का मनमोहक श्रृंगार होता है।

QUIZ TIME

1) प्रतिवर्ष 25 सितम्बर को पूरे भारत में ‘अंत्योदय दिवस’ किनकी जयंती पर मनाया जाता है?

2) फ़रवरी 2021 में भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास ‘युद्ध अभ्यास-2020’ कहाँ आयोजित किया गया?

3) स्कॉपियन श्रेणी की स्वदेश निर्मित तीसरी पनडुब्बी का क्या नाम है जो 10 मार्च, 2021

को भारतीय नौसेना में शामिल हुई?

4) फरवरी 2021 में आरबीआई ने अपने नियामक दायरे में किस बैंक को शामिल कर लिया?

5) कौन अखिल भारतीय प्रबंधन संघ के नए अध्यक्ष बने हैं?

प्रश्न 1) भारत की सबसे बड़ी राज्यपाल की पदवी का क्या नाम है ?
उत्तर 1) भारती देवी प्रसाद
प्रश्न 2) भारत की सबसे बड़ी राज्यपाल की पदवी का क्या नाम है ?
उत्तर 2) भारती देवी प्रसाद
प्रश्न 3) भारत की सबसे बड़ी राज्यपाल की पदवी का क्या नाम है ?
उत्तर 3) भारती देवी प्रसाद
प्रश्न 4) भारत की सबसे बड़ी राज्यपाल की पदवी का क्या नाम है ?
उत्तर 4) भारती देवी प्रसाद
प्रश्न 5) भारत की सबसे बड़ी राज्यपाल की पदवी का क्या नाम है ?
उत्तर 5) भारती देवी प्रसाद

आज का इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय और विश्व इतिहास में 05 फरवरी की घटनाएं इस प्रकार हैं:- 1630- सिख गुरु हर राय जी का जन्म। 1922- चौरी चौरा में थाने पर भीड़ के हमले में 22 पुलिसकर्मियों की मौत। 1937- चार्ली चैप्लिन के अभिनित पहली टॉकी ‘मॉडर्न टाइम्स’ रिलीज की गई। 1953- ब्रिटेन में चीनी और इससे बने उत्पादों के सीमित वितरण का नियम समाप्त। 1971- अपोलो 14 चांद की सतह पर उतरा। 1976- बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का जन्म। 1985- पुरांगाल के विश्वप्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जन्म। 2008- आध्यात्मिक और धार्मिक नेता महर्षि महेश योगी का निधन। 2013- बांग्लादेश में एक न्यायाधिकरण ने एक कट्टरपंथी विपक्षी दल के शीर्ष

सदस्य अब्दुल कादर मौला को 1971 में पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई के दौरान युद्ध अपराधों के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 2014- प्रसिद्ध भजन गायिका जुथिका रॉयका निधन । 2016- वित्त मंत्रालय ने यू-टयूब चैनल लॉन्च किया। 1990 - भुवनेश्वर कुमार - भारतीय तेज गेंदबाज हैं। 1630 - हर-राय - सिखों के सातवें गुरु का पंजाब के कीरतपुर। 1639 - जेबुनिसा - मुगल बादशाह औरंगजेब की पुत्री थी। 1916 -जानकी वल्लभ शास्त्री - प्रसिद्ध कवि। 1968 - प्रेम सिंह तमांग - सिक्किम के राजनीतिज्ञों में से एक हैं। 1976 - अभिषेक बच्चन - फिल्म अभिनेता 1932 -शंख घोष -प्रसिद्ध बांग्ला कवि, आलोचक एवं शिक्षाविद थे।

